लहलहाएगी रोगरोधी गन्ने की फसल

● कृषि वैज्ञानिकों की टीम पहुंची नरकटियागंज, लिया फसल का जायजा

- सूबे की चीनी मिलों को नरकटियागंज चीनी मिल करेगा रोग रोधी गन्ना बीज की आपूर्ति : डॉ. पाठक
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान उत्तर प्रदेश के सहयोग से गन्ने को किया गया विकसित
- गन्ना में रिकवरी कम होने के कारण चीनी मिलो को होता है आर्थिक नुकसान

चीनी मिल पहुंचे कृषि वैज्ञानिक जागरण

नरकटियागंज संवाद सहयोगी

नकदी फसल के रूप में विख्यात गन्ने की खेती में इक नई क्रान्ति आने वाली है। सूबे के किसानों के खेतों में अब रोग रहित गन्ना लहलहाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान उत्तर प्रदेश के सहयोग से नरकटियागंज चीनी मिल सूबे के चीनी मिलो को अब रोग रहित गन्ना बीज की आपूर्ति करेगी। यह जानकारी शुक्रवार को चीनी मिल गेस्ट हाउस में उत्तर प्रदेश लखनऊ के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के फसल सुधार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अश्विनी दत्त पाठक ने दी। विभागाध्यक्ष ने बताया कि उत्तम प्रभेद के चार प्रजाति क्रमशः सी.ओ. 0238, 0118, 0232 और सीओपी 9301 गन्ने के बीज को नरकटियागंज चीनी मिल के कामता फार्म हाउस पर विकसित कर लिया गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के कृषि वैज्ञानिक की टीम ने चीनी मिल के सहयोग से इस कामयाबी को हासिल करने में सफलता पाई है। श्री पाठक ने बताया कि आने वाले दिनों में सूबे के किसानों को रोग रहित गन्ना के उत्पादन से आर्थिक रूप से समृद्ध करने पर जोर दिया जा रहा है। सूबे के गन्ना उत्पादन करने वाले किसानो को हरेक साल गन्ना फसलों में रोग लगने के कारण काफी नुकसान होता था। साथ ही गन्ना में रिकवरी कम होने के कारण चीनी मिलो को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। ऐसे में रोग रहित गन्ना बीज पूरे सूबे के किसानों और चीनी मिलो के लिए एक प्रकार से वरदान साबित होगा। श्री पाठक ने चीनी मिल के जीएम चंद्रमोहन को गन्ना विकसित करने में अहम भूमिका निभाने के लिए प्रशंसा की और बताया कि सूबे का यह पहला चीनी मिल होगा जो पूरे सूबे मे रोग रोधी गन्ना बीज की आपूर्ति करेगा। मौके पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के डा. आशुतोष मल्ल, डा. रामजी लाल, डा. महाराम, गौतम कुमार, मुकेश कुमार चीनी मिल के इवीपी केन एम. एस. शर्मा, वीपीसीडी कुलदीप सिंह ढाका, फार्म मैनेजर दिनेश सिंह आदि मौजूद रहे।